

जनता दरबार में चतरा के उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी। उहोने संबंधित पदाधिकारी को त्वरित गति से नियमानुसार निष्पादन करने का निर्देश दिया। चुड़िहार मुहल्ला विलासी ने बताया कि उहोने अचानक दस हजार रुपये की बिजली बिल प्राप्त हुआ है, जिससे वह काफी फ़ेरेशन है। उनकी वित्तीय स्थिति ठीक नहीं है, जिसके कारण वे बिलासी बिल जमा करने में असक्षम हैं। ग्राम राजगुरु, जोलडीहा पंचायत से आये व्यक्ति ने बताया कि उनके निवास स्थान के निकट पेयजल की टंकी है जो दो वर्षों से अधिनिर्भृत है। उहोने उक्त कार्य को पूर्ण करने का अनुरोध किया। वहाँ राजगुरु निवास स्थान के निकट पेयजल की टंकी है जो दो वर्षों से अधिनिर्भृत है। उहोने उक्त कार्य को पूर्ण करने का अनुरोध किया। वहाँ राजगुरु निवास स्थान के निकट पेयजल की टंकी है जो दो वर्षों से अधिनिर्भृत है। उहोने प्रखण्ड कार्यालय परिसर में लगे आम बागवानी का निरीक्षण किया, इस दौरान उहोने आम बागवानी में लगे मजदूरों का मास्टर रॉल का अवलोकन किया। इसके बाद वाय और द्वारा मूर्ख रूप से मानदेव संबंधित, भूमि संबंधित, अनुकर्मा संबंधित मामले शामिल थे।



गिर्दौर प्रखण्ड दफ्तर पहुंचे डीडीसी

गिर्दौर। उपविकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता मंगलवार को गिर्दौर प्रखण्ड कार्यालय पहुंचे। उहोने प्रखण्ड कार्यालय परिसर में लगे आम बागवानी का निरीक्षण किया, इस दौरान उहोने आम बागवानी में लगे मजदूरों का मास्टर रॉल का अवलोकन किया। इसके बाद वाय और द्वारा मूर्ख रूप से मानदेव संबंधित, अन्य समस्याओं में मुख्य रूप से शामिल थे।

बालूमाथ मुख्य मार्ग पर पुलिस ने दबोचा, कट्टा, कारतूस, मोबाइल फोन व बाइक बरामद लूटपाट की योजना बना रहे पांच अपराधी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत लातेहार-बालूमाथ मुख्य मार्ग पर स्थित मोंगर यात्री शेड के समीप से पुलिस ने लूटपाट की योजना बना रहे पांच अपराधियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक कट्टा, दो कारतूस, चार मोबाइल फोन के साथ तीन मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

जावाकारी के अनुसार पुलिस

अधिकारी

थी

को

ए

स

म

१०

की

संख्या

में

अपराधी

तूब

द

चार दशक से विकास की ओर बढ़ता कृषि अर्थव्यवस्था वाला लोहरदगा जिला

राहुल कौशल। लोहरदगा
सन 1983 को आज ही के दिन लोहरदगा जिले होने का गैरव प्राप्त किया है। इस 40 साल के सफर के दौरान जिले का उत्तरोत्तर विकास हुआ है। आज लोहरदगा जिला का 40वां स्थापना दिवस है। इसे धूमधाम से मनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां कर रखी हैं। ललित नारायण स्टेडियम में स्थापना दिवस समारोह मनाया जाएगा।

इन 40 साल में जिले का हर क्षेत्र का विकास हुआ है। चाहे वो शहरी क्षेत्र हो, या ग्रामीण क्षेत्र। दशकों बाद भी बिजली की स्वास्थ्य शिथि नहीं पहुंच पायी थीं उन गांवों में भी सभी सुविधा उपलब्ध हो रही है। आज गांव में सड़कों का जाल बिछा है। वहीं

हर गांव में विद्यालय स्थापित है। कृषि अर्थव्यवस्था वाले लोहरदगा जिले की पहचान बॉक्साइट नगरी के रूप में होती है। 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की कुल आबादी 4 लाख 61 हजार 738 है।

प्रगतिशील पहल

एक कुशल परिवहन व्यवस्था की किसी भी राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास और लोगों के कल्याण के लिए काफी महत्वपूर्ण होती है। झारखण्ड में परिवहन व्यवस्था को अधिक उत्तेजित बनाने की ही से सड़क मार्ग, रेल मार्ग एवं वायु मार्ग का विकास किया गया है, तेकिन जटिल धौगिलिक परिस्थिति के कारण जल परिवहन के क्षेत्र में बहुत कुछ नहीं किया जा सकता है। राज्य की अधिकांश नदियां पहाड़ी हैं तथा यह पूर्णतः भूमि बंद (लैंड लॉक) हैं, जिसके कारण वहाँ जल मार्ग के विकास की संभावना बहुत कम है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं मव्वाराखण्ड में वर्षा ऋतु में दर्सी नावे चलती हैं। ऐसे में सहित्यरेखा में 'बोट एंबुलेंस' की शुरुआत होना आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वायां बढ़ आने के कारण यह इलाका जलमग्न हो जाता है। इस दौरान इस इलाके से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। ऐसी परिस्थिति में, जब टीकाकरण सहित तमाम स्वास्थ्य कार्यक्रम ठप पड़ जाते हैं, लोगों को स्वास्थ्य सेवा मुहैया करने में वर्षा सुविधा की विश्वास रूप से चलती रहे। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से इसकी सतत निगरानी करनी होगी।

निःसंदेह 'वानों की भूमि' झारखण्ड में 'बोट एंबुलेंस' की सुविधा की शुरुआत गौरव की बात है, लेकिन यह निरंतर और सुचारा रूप से चलती रहे। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से खरोंदी गई है। एक बोट की कीमत लगभग 10, 15 लाख रुपये है। इस तरह से दोनों बोट की कीमत 58,34 रुपये है। इसमें ऑक्सीजन सिलेंडर, मीट्रोज़ के लिए केलिन, लैप टेक्नीशियन के साथ कई अन्य सुविधाएँ भी हैं। यह पूरी तरह से बातनुकूलित है। इसमें गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी भी करवाई जा सकती है। कुल मिलाकर, यह तमाम तरह की आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें दो ईंजन लगे हुए हैं, जो आपात स्थिति में उत्तेजित में लावे जा सकते हैं। विश्वासक और सांसद के साथ संयुक्त रूप से 'बोट एंबुलेंस' का उद्घाटन करने के दौरान जिला उपायोगी रामनिवास यात्रा देखी गई। बदले वाले लोगों को सुचारा स्वास्थ्य सुविधाएँ मुहैया करना का प्रयास है। हालांकि इसके साथ ही इस पहल का सार्वनामिक श्रेय लेने का प्रयास भी शुरू हो गया। राजमहल से विश्वासक एवं भाजपा नेता अंतर्न कुमार ओझा ने अपने संघोंधन में कहा कि उन्होंने लगभग दो साल पहले राजमहल एवं साहित्यरेखा इलाके के गंगा तट से बाढ़ इलाके के लिए 'बोट एंबुलेंस' की मांग विधायिक सभा में उठाई थी। प्रक्रिया ने जिला प्रशासन को लगानी करना होगा। आमतौर पर देखा जाता है कि अधिकांश सरकारी योजनाओं या सुविधाओं को लॉच तो बड़े धूधधाम से किया जाता है, तेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण वे धूधताल पर सही से लागू नहीं हो पाती हैं। ऐसे कई उदाहरणों का उल्लेख किया जा सकता है। इस सुविधा के साथ ऐसा न हो इसके लिए जरूरी है कि प्रशासनिक अधिकारी 'असफल' हो चुकी योजनाओं या सुविधाओं से सबक लेकर व्यवस्था की खामियों को दूर करने का प्रयास करें।

बहरहाल, निःसंदेह 'वानों की भूमि' झारखण्ड में 'बोट एंबुलेंस' की सुविधा की शुरुआत गौरव की बात है, लेकिन यह निरंतर व सुचारा रूप से चलती रहे। इसके लिए जिला प्रशासन को लगानी करना होगा। इसलिए हमें उतना ही भू-जल निकालना चाहिए जितना हावं वर्षा पुनर्जनन से इकट्ठा होता है। यह आसन्न संकट को देख कर ही हमें भू-जल विकास कार्यक्रम बनाने चाहिए और उनका अनुशृणुण करना चाहिए। भू-जल के मामले में एक तो हावं पास वर्षामान तकीयों के मेल खाने वाले कानूनों का भी अभाव था दूसरे व्यवस्थित अनुश्रुणवण व्यवस्था भी नहीं थी। 2025 के प्रतिशत जल ही नदियों, झीलों आदि में है। पृथ्वी पर कुल 32 करोड़, 60 लाख खरब गैलन पानी है। सारों से पानी भाव बन कर बादलों के रूप में वर्षा करता है। उसमें सुख भी नहीं होता। उसमें कुछ ही लेखियरों और बर्फ, नदी जल, भू-जल के रूप में धरती में धरती पर रुक जाता है, बाकी बह कर फिर समुद्र में चला जाता है। जलवायु परिवर्तन से जमीन पर गर्म हो जाता है और इसके स्तरेशियर और बर्फ के पिघलने की गति बढ़ने के कारण घटाता जा रहा है। ग्लैशियर पिघलने की दर तेज होने से आकलन के साथ हमें पता चल गया है कि भू-जल घटाता है। भू-गर्भ के रूप में यात्रा नहीं होती। जिसका निर्भर है और आपने आकलन के सुधार करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से निर्भर है। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से निर्भर है। गलत

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या आजकल एक कमन समस्या बन चुकी है। हाई ब्लड प्रेशर का ही दूसरा नाम हाइपरटेशन या उच्चरक्तचाप है। इसे मैडिकल भाषा में हाइपरटेशन कहा जाता है।

नैशल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुख्यांक, हर आठ भारतीयों में से एक हाइपरटेशन कहा जाता है। जिसके कारण वहाँ जल मार्ग के विकास की संभावना बहुत कम है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं मव्वाराखण्ड में वर्षा ऋतु में दर्सी नावे चलती हैं। ऐसे में सहित्यरेखा में 'बोट एंबुलेंस' की शुरुआत होने आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती है। मौनसून की वाया बढ़ आने से आपात तरह टूट जाता है। एकमात्र बाहर की सहायता नहीं आप में शासन-प्रशासन की सराहनीय और प्राप्तिशील पहल है। कहा गया कि इस सुविधा के शुरू होने से गंगा नदी के दिवारे इतानों में रहने वाले करीब ढाई लाख आवादी को लाभ होगा। साहित्यरेखा जिले में लगभग 83 किलोमीटर एरिया में गंगा नदी बहती ह

बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी कोर्स कर करियर को दें नई उड़ान

एम्स से लेकर स्पोर्ट्स लाइन में मिलेंगी बेहतर संभावनाएं

12 वीं के बाद अपनी रुचि अनुसार छात्र बेल्थ केवर सेक्टर में

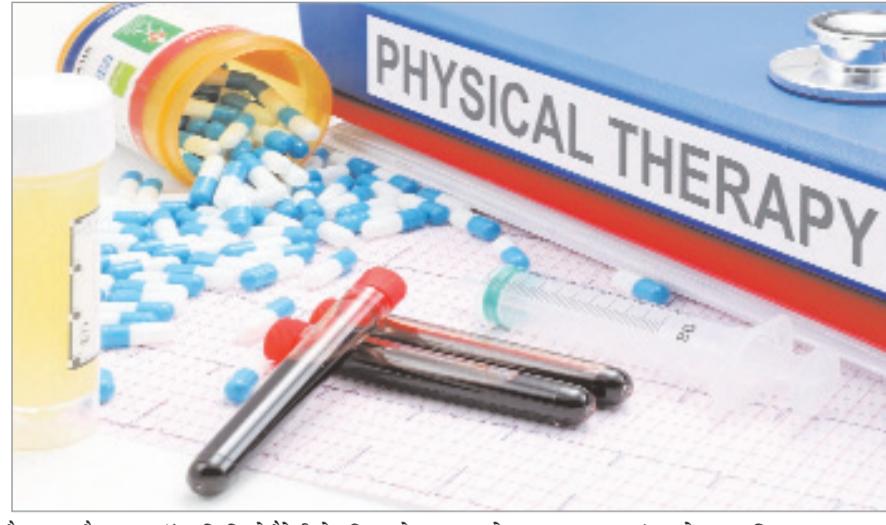
इस आर्टिकल में हम अपको टॉप कॉलेज, एडमिशन और फीस आदि के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इस कॉलेज से यह कोर्स कर आप अपने करियर को नई ऊँचाई दे सकते हैं। 12वीं कक्षा के छात्र मेडिकल और पैरामेडिकल कॉलेज से बारे में इंटरनेट से जानकारी हासिल करते हैं। छात्र हेल्थ केवर सेक्टर में अपनी रुचि और इच्छा के अनुसार बनाने का सपना लेकर आते हैं। वहीं कोरोना महामारी के दौरान हेल्थ केवर सेक्टर में शामिल लोगों ने जिस तरह से दिन-रात लोगों के लिए काम किया और अपनी ड्यूटी की, उसे कोई भुला नहीं सकता है। सेवा के इसी भाव से और अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कई छात्र मेडिकल व पैरामेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देखते हैं।

दिल्ली के टॉप पैरामेडिकल के कोर्स बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी का कॉलेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर छात्र फिजिकल थेरेपिस्ट वा फिजियोथेरेपी बनने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं। इन टॉप स्टॉकों से यह कोर्स पूरा करने के बाद छात्र किसी भी प्राइवेट और सरकारी अस्पताल या वर्तीनिक आदि में नौकरी पा सकते हैं। इस क्षेत्र में शुरूआत में आप 3 से 4 लाख रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं।

क्या है बीपीटी

बीपीटी को बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी कहा जाता है। बता दें कि वह एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है।

इस कोर्स की अवधि 4 साल की होती है। यह कोर्स मानव संरचना से संबंधित जैसे पोस्ट फ्रैक्चर दर्द, मूवमेंट के लिए एक्सरसाइंस और शारीरिक दर्दों से निजात दिलाने में सहायक होती है।



बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी के लिए योग्यता 12वीं सांस्कृतिक स्ट्रीम से पास होना अनिवार्य है। पीसीबी के सब्जेक्ट पढ़ा होना अनिवार्य है। अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है। इसके अलावा 12वीं में कम

से कम 50% अंक होना चाहिए। आरक्षित श्रेणी के छात्रों को 5% की छूट प्राप्त है। इस कोर्स में प्रवेश लेने के लिए न्यूनतम आयु 17 साल होनी चाहिए।

प्रवेश परीक्षा

इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना जरूरी है। कुछ संस्थानों में एडमिशन परीक्षा के आधार पर होता है तो वहां कुछ संस्थान डायरेक्ट एडमिशन देते हैं।

संस्थान

आईपीयू सीईटी
वीईडी
वीसीईसई
एलपीयू-ईपीसीजी
आईपीजी

बीपीटी कॉलेज की लिस्ट

वैसे तो भारत में 200 अधिक कॉलेज बीपीटी का कोर्स ऑफर करते हैं। इनमें से 80% कॉलेज प्राइवेट हैं। यहां हम आपको बेस्ट बीपीटी कॉलेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां से आप यह कोर्स कर सकते हैं।

जामिया हमर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली - 135,000 रुपये फीस

केआर मंगलम यूनिवर्सिटी, गुडगांव - 115,000 फीस

गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), नई दिल्ली - 93,100 रुपये

जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय (जेएमआई), नई दिल्ली - 21,800 रुपये

एमटी यूनिवर्सिटी, नाईटा - 116,000 रुपये

हमर्द इंटीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एचआईएमएसआर), नई दिल्ली - 264,500 रुपये

परिव भागवत दायल शर्मा पेस्ट ग्रेजुएट इंटीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस), रोहतक - 12,395 रुपये (प्रथम वर्ष फीस)

गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुडगांव - 40,000 रुपये

गलगंगिया विश्वविद्यालय - 75,000 रुपये

डीपीएसआरयू - 56,000 रुपये।

शारदा विश्वविद्यालय - 1.58 लाख रुपये

◆ अनन्या मिश्रा

होम्योपैथिक डॉक्टर बन दें करियर को नई उड़ान

होम्योपैथिक इलाज में दवाओं का कोई डुखभाव नहीं होता है। यही कारण है कि

बड़े लोगों में लोग होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। तो आप इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। अंग्रेजी दवाओं पर भी

के अलावा कई लोग होम्योपैथिक दवाओं पर भी

होम्योपैथिक डॉक्टर बनने के लिए काफी दिल्ली के अंडरग्रेजुएट कर सकते हैं।

यह कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि भारत समेत दुनिया भर में होम्योपैथिक डॉक्टरों की भी माम बढ़ती जा रही है। वहीं छात्रों में भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का इंटरेस्ट बढ़ रहा है।

खासकार एवं कारोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया

ने डॉक्टरों की सेवा रखने के देखा है। ऐसे में जो छात्र काफी दिल्ली - फीस 3,120

जानान राय नगर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर- फीस 55,000

यह कोर्स कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

बता दें कि होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए तमाम तरह के सर्टिफिकेट कोर्स करना चाहिए।

इस सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि 3 से 6 महीने की होती है।

डिल्लोमा कोर्स

होम्योपैथी में कई

प्रकार एवं के अंडर

ग्रेजुएट और पोस्ट

कारोना पर कर सकते हैं। इन कोर्स में आप

आरक्षित श्रेणियों के कैर्डिङेट के 45% अंक होते हैं।

ब्यालिंग कोर्स : होम्योपैथी कोर्स में प्रवेश पाने

की चाहत रखने वाले छात्रों को साइंस साइड से

12वीं पास होनी अनिवार्य है। 12वीं कक्षा में कोर्स करने के लिए अलावा वह भी बताने जा रहे हैं कि इस कोर्स को करने के बाद आप इस क्षेत्र में किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

क्वालिफिकेशन : होम्योपैथी कोर्स में प्रवेश पाने

की चाहत रखने वाले छात्रों को साइंस साइड से

12वीं पास होनी अनिवार्य है।

12वीं कक्षा में कोर्स करने के लिए अलावा वह भी बताने जा रहे हैं कि इस कोर्स को करने के बाद आप इस क्षेत्र में किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

UG कोर्स

स्नातक स्तर पर होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए छात्र इंटरव्यू और इंटरव्यू आदि

प्रवेश परीक्षाएं

इंटरप्रेस्ट यूनिवर्सिटी कॉर्स एंट्रेंस टेस्ट (IPU CET)

केरल इंजीनियरिंग, कृषि और चिकित्सा (KEAM)

भारती विद्यापीठ कॉर्स एंट्रेंस टेस्ट (BVP CET)

पंजाब यूनिवर्सिटी कॉर्स एंट्रेंस टेस्ट (PUCET)

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET)

इंजीनियरिंग, कृषि और मेडिकल कॉर्स एंट्रेंस टेस्ट (EAMCET)

टॉप डिजिटल और फीस

पटना मेडिकल कॉलेज, पटना- फीस 63,000

महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, नासिक-

फीस 11,455

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरत्सु'

मा. न. 73 8657 8657

स्वतंत्रता से पहले राज-जनवाड़ों का

शासन स्थापन के पश्चात एक-एक कर इन्हें प्रिया लिया गया।

यह गजाओं को रास नहीं आया। लेकिन वे मजबूर थे। धीर-धीरे

परिस्थितियां सामान्य होने लगीं।

राजाओं को भी लगा जो हुआ अच्छा

हुआ। बहुत हुआ अपना शासन।

अब देखते हैं जनता का शासन कैसा होता है।

इसीलिए आप अनपूर्ण रह गए। इन

कागजों का महाव आप क्या

समझेंगे?

राजा ने कहा - बात

विविधता में एकता हमारी शक्ति और प्रगति की आधारशिला : राज्यपाल



नवीन मेल संवाददाता। रांची है, फिर भी हम सभी एक हैं। यही विविधता में एकता हमारी शक्ति और प्रगति की आधारशिला रही है। और संप्रदाय के लोग सोहार्ख्यवृक्ष करते हैं। उनकी भाषा, संस्कृति, रीति-रिवायत इत्यादि अत्यन्त-अलग

हुए कहा कि सिक्किम ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तरखण्ड प्रगति की है। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में यह वर्ष अग्रणी रहा है। साथ ही इस राज्य ने पर्यावरण के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि इस प्रदेश का जैविक कृषि के क्षेत्र में किए गए अद्वितीय प्रयास ने पूरे विश्वपटल पर अभियंता पहचान स्थापित की है। जैविक कृषि की दिशा में राज्य के द्वारा किये गए कार्य अत्यंत ही प्रशंसनीय है। जो देश के बाकी हिस्सों के लिए एक अनुरूपीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने स्वागत भाषण किया। सिक्किम की बीआई मेसरा में अध्ययनरत छात्र प्रशांत शर्मा एवं जैप-1 में कार्यरत राजेश शर्मा ने राज्यपाल के सिक्किम के लोगों से संवाद करते

ग्राफ, चार्ट और टेबल कॉर्पोरेइट में नहीं हैं शामिल : पटनायक

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय ज्ञारखण्ड (सीरीज) की ओर से अन्यायस में अनुबंधान (अंतर्राष्ट्रीय) के तहत मंगलवार को पहले सत्र में आईआईएप बंगलुरु की लाइब्रेरियन डॉ के रमा उन्होंने अनुबंधान का कॉर्पोरेइट पर चर्चा की। कहा कि कुछ कॉर्पोरेइट कानूनों की प्रकृति क्षेत्रधिकार संबंधी होती है। कुछ समग्री कॉर्पोरेइट से बाहर हो सकती है। कॉर्पोरेइट में गठ, कलात्मक कार्य, नाटकीय कार्य, संगीत कार्य, फिल्म, प्रसारण व प्रसारण संस्करण आदि शामिल हैं। कॉर्पोरेइट में चार्ट, टेबल, ग्राफ आदि विवरण नहीं हैं। कॉर्पोरेइट नई चीजों की पुनः प्रतुल करने, मुद्रित रूप में प्रकाशित करने, काम को प्रकाशित करने और उनके अपनाने या संसोधित करने के कुछ अधिकार देता है। कॉर्पोरेइट लेखक की मृत्यु के 70 साल बाद तक प्रभावी रहता है।

कैब चालक का कार में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता। रांची

खराब हो गई थी गाड़ी

जबाहर नगर के लोगों ने पुलिस को बताया कि जय कर्मकार की बाहर नगर नार में खराब हो गयी थी। स्टार्ट नहीं हो रहा था। हाँतांकि उसने किसी से मदद नहीं मांगी। सुबह में उसे अचंते देखकर पुलिस को सूचना दी गई।

जय की मौत हुई होगी। पुलिस के

अनुसार मंगलवार की सुबह आठ बजे स्थानीय लोगों की नजर कार पर पड़ी। कार के सामने जाकर आवाज लगा, लेकिन भीतर से कोई जावाब नहीं मिला। शंका होने पर आवाज पुलिस को सूचना दी गई।

गाड़ी में था कम तेल, पुंदाग

पहुंचते ही हुई खत्म : जय कर्मकार की मां से पुंदाग पुलिस ने

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस

मौके पर पहुंची। जय के बाद पता

चला कि युवक की मौत हो गई है। उसके जेब की तलाशी लेने के बाद युवक का नाम व पते की जानकारी मिली। पुलिस से मिली जानकारी के बाद परिजन पहुंचकर शव की शिराज की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। गले में युवक के खोरोंके परिजनों ने उसकी भाल भाल देखकर कार में उसकी भाल भाल तक व्यापार का घर ज्यादा दूर नहीं जा सके। वह अपने एक रिशेदोर के जबाहर नगर स्थित घर में मिलकर लौट रहा था। देर रात तक जब वह नहीं मिला तो परिजन परेशान हो गए। खोजीवानी भी की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। सुबह में पुलिस से उसकी मौत की खबर मिली।

अनगढ़ा में आग पर चलकर भक्तों ने दिखाई अपनी भक्ति

अनगढ़ा। प्रविंड की हारात पंचायत के इद गांव में मंडा पूजा में मंगलवार की सुबह 101 भक्तों ने अंगारों पर चलकर शिव भक्ति के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। सात दिनों मंडा पूजा में 15 सोहाइन शमिल हुए। सबह में बूलन और समवार की शाम में लोटन पूजा की गई थी। रात्रि जागण में रात भर बंगल की दो छज नृत्य दीमों के बीच मुकाबला चलता रहा। मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप और विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, ज्ञारखण्ड कर्मकार बोर्ड के सदस्य रारसनथ भोजता ने छज नृत्य का उद्घाटन किया। अतिथि के रूप में हारात युद्धिष्ठिर विदेशी, विधायक प्रतिनिधि गजेंद्र मुंडा, पंचायत समिति सदस्य विनोद रामवार, निर्मल करमाली, योहन शहरी और विजेता खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है : *स्वर्ण पदक-अमर इस प्रकार है : *

राज पदक : आदिवासी विदेशी, योहन शहरी, गुरुमारी, अनुष्ठानी आदि शर्मा ने पाया।

ब्रॉन्ज : प्रगति निधि सोय, महक

कुमारी, रिद्धि कुमारी, अनुष्ठानी

कुमारी, अंशका मेहता, शिवांगी,

शिवांगी सिंह, सात्विक ने पदक

जीते।

आचार्यकुलम के खिलाड़ियों ने सोना जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया



नवीन मेल संवाददाता। रांची 13 और 14 मई को मुरी में आयोजित 19वीं ज्ञारखण्ड राज्यतारीय सब जूनियर वृश्चिक प्रतियोगिता में आचार्यकुलम के खिलाड़ियों ने नाशनार प्रदर्शन करते हुए 4 गोल्ड 7 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज मेडल जीत कर स्कूल का नाम बदला दिया। इस प्रतियोगिता में आचार्यकुलम के खिलाड़ियों ने नाशनार प्रदर्शन करते हुए 4 गोल्ड 7 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज मेडल जीत कर स्कूल का नाम बदला दिया।

आचार्यकुलम की प्रिसिपल श्रीमती

सुजाता कोरा, स्थानीय शिक्षा सीमा कुमारी

जी, गंगा प्रसाद राय तथा एन आई

एस कोंच दीपक गोप, प्रतिमा

कुमारी ने सुधारकामनार्थ दी और

उच्चाल भविष्य की कामना की।

इसके बाद जय कर्मकार जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

कर रहा। इसके बाद जय कर्मकार

जवाहर नगर में ही गाड़ी लागाकर

